SMT. COOMI NARIMAN WADIA

Smt. Coomi Nariman Wadia is the Chairperson and Conductor of the Paranjoti Academy Chorus. She is India's first female conductor of choral music and is recognised internationally for her definitive first performances of new music, not only in india, but from all over the world. She has been the Music Director and Conductor of the Paranjoti Academy Chorus for the past 56 years.

2. Born on 6th August, 1933, Smt. Wadia received her Diploma in Commercial Art from the Sir Jamsetjee Jeejeebhoy School of Art, Mumbai. Concurrently, she was trained as a pianist and won Palamkote Awards for both her Associate (ATCL) and Licentiate (LTCL) diplomas of the Trinity College of Music, London.

3. The Paranjoti Academy Chorus founded by Dr. Victor Paranjoti was the first Indian choir to go on a concert tour of Europe in 1961. As a teenager, Smt. Wadia joined Dr. Paranjoti's chorus as a soprano, and soon, her exemplary musicianship and innate leadership skills saw her in a quasi-assistant conductor role to the maestro. On the death of Dr. Paranjoti in 1967, she picked up the baton and took the already internationally acclaimed chorus to new heights. Besides performing in major cities all over India, the choir has performed in concerts, festivals, and radio and television broadcasts in Europe, the USA, the Middle East, Japan, Philippines and South Korea.

4. Smt. Wadia besides championing compositions by Dr. Victor Paranjoti, commissioned Indian composers like Shri Abel D'Cruz, Shri J Amaldev, and Shri Nariman Wadia to write for the Chorus. The legendary composer Shri Vanraj Bhatia (Padma Shri awardee) wrote four works especially for the Paranjoti Academy Chorus. Hundreds of Indian singers and instrumentalists have performed concerts, often their Indian debuts, under her baton.

5. In 1972, Smt. Wadia represented India at the inauguration of the Kennedy Center, Washington, and at the Choral Festival at the Lincoln Centre, New York. She won first prize at the IX International Choral Song Festival in Poland in 1974, and second prize in the IX International Choral Festival in Tolosa, Spain in 1977, where the Mayor also awarded her the Golden Olive. At the Stuttgart Partnersingen Sister Cities Festival in 1981, she was selected to conduct the final concert with over 700 singers. In 1991, Pandit Ravi Shankar invited the choir to perform his compositions in the One India Show. In 2000, His Holiness the Dalai Lama invited the Chorus to perform at the World Festival of Sacred Music in Bangalore. In 2005, she represented India at the 7th World Symposium on Choral Music in Kyoto, Japan. In 2009 and 2011, she and the Chorus were invited by the Government of India to perform Christmas music at the Rashtrapati Bhavan, New Delhi, for the then President of India, Smt. Pratibha Patil.

6. Smt. Wadia was awarded the Laadli of the Century award by the Laadli Media & Advertising Awards for Gender Sensitivity for her trailblazing and inspirational work in 2018.

श्रीमती कुमी नरीमान वाडीया

श्रीमती कुमी नरीमान वाडीया प्राणजोति एकेडमी कोरस की अध्यक्ष और संचालिका हैं। वह भारत की कोरल संगीत की पहली महिला संचालिका हैं और उन्हें न केवल भारत में बल्कि संपूर्ण विश्व में नवसंगीत के क्षेत्र में उनकी सर्वोत्तम प्रथम प्रस्तुतियों के लिए जाना जाता है। वह विगत 56 वर्षों से प्राणजोति एकेडमी कोरस की संगीत निर्देशक और संचालिका हैं।

2. 6 अगस्त, 1933 को जन्मी, श्रीमती वाडीया ने सर जमशेदजी जीजाभाई कला विद्यालय, मुंबई से वाणिज्यिक कला में डिप्लोमा प्राप्त की। साथ ही, उन्हें पियानोवादक के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया और उन्हें ट्रिनिटी संगीत महाविद्यालय, लंदन के उनके दोनों एसोसिएट (एटीसीएल) और लाइसेंसिएट (एलटीसीएल) डिप्लोमा के लिए पलमकोटे पुरस्कार प्राप्त हुआ।

3. डॉ. विक्टर प्राणजोति द्वारा स्थापित प्राणजोति एकेडमी कोरस वर्ष 1961 में यूरोप के कंसर्ट टूर पर जाने वाली पहली भारतीय गायन मंडली थी। किशोरावस्था में, श्रीमती वाडीया एक सोप्रानो के रूप में डॉ. प्राणजोति के कोरस में शामिल हुईं और शीघ्र ही, अद्भुत संगीतकला और सहज नेतृत्व कौशल की बदौलत वह एक अर्ध–सहायिका संचालिका की भूमिका से संगीत उस्ताद की श्रेणी में जा पहुंची। वर्ष 1967 में डॉ. प्राणजोति की मृत्यु के उपरांत, उन्होंने दायित्व अपने हाथों में ले लिया और पहले से ही अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रतिष्ठित कोरस को नई ऊचाइंयों पर लेकर गईं। भारत के बड़े शहरों में प्रस्तुति देने के अलावा, इस गायन मंडली ने यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए), मध्यपूर्व, जापान, फिलिपींस और दक्षिण कोरिया के संगीत समारोहों, उत्सवों और रेडियो तथा टेलीविज़न प्रसारणों में प्रस्तुति दी है।

4. श्रीमती वाडीया ने डॉ. विक्टर प्राणजोति की संगीत रचनाओं को बढ़ावा देने के अलावा, कोरस लिखने का काम श्री अबेल डी'क्रूज, श्री जे. अमलदेव और श्री नरीमन वाडिया जैसे भारतीय संगीतकारों को दिया। महान संगीतकार श्री वनराज भाटिया (पद्म पुरस्कार विजेता) ने विशेष रूप से प्राणजोति एकेडमी कोरस के लिए चार रचनाएं लिखीं। सैकड़ों भारतीय गायकों और वादकों ने उनके नेतृत्व में संभवत: पहली बार संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

5. वर्ष 1972 में, श्रीमती वाडीया ने केनेडी सेंटर, वाशिंगटन और लिंकन सेंटर, न्यूयॉर्क के कोरल समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने वर्ष 1974 में पोलैंड में IX अंतरराष्ट्रीय कोरल संगीत समारोह में प्रथम पुरस्कार और वर्ष 1977 में टोलोसा, स्पेन में IX अंतरराष्ट्रीय कोरल संगीत समारोह में द्वितीय पुरस्कार जीता, यहां महापौर ने उन्हें गोल्डन ऑलिव से भी सम्मानित किया। वर्ष 1981 में स्टटगार्ड पार्टनरसिंगेन सिस्टर सिटीज़ समारोह में, उन्हें 700 से अधिक गायकों के साथ अंतिम संगीत कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए चुना गया था। वर्ष 1991 में, पंडित रवि शंकर ने वन इंडिया शो में अपनी गीतों की प्रस्तुति देने के लिए उनके गायन दल को आमंत्रित किया। वर्ष 2000 में, परम पूज्य दलाई लामा ने बेंगलुरू में विश्व धार्मिक संगीत समारोह में प्रस्तुति देने के लिए उनकी गायन मंडली को आमंत्रित किया। वर्ष 2005 में, उन्होंने क्योटो, जापान में 7वें विश्व कोरल संगीत संगोष्ठी में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2009 और 2011 में, भारत सरकार ने उन्हें और उनकी गायन मंडली को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति, श्रीमती प्रतिभा पाटिल के लिए राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में क्रिसमस संगीत प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया था।

6. श्रीमती वाडीया को वर्ष 2018 में लाड़ली मीडिया एंड एडवरटाइजिंग अवाड्र्स फॉर जेंडर सेंसटिविटी द्वारा उनके पथप्रदर्शक और प्रेरणादायी कार्य के लिए लाड़ली ऑफ द सेंचुरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।